हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड - भिवानी

प्रश्नवार विस्तृत अंकन योजना (2023 - 24)

कक्षा - 12 वीं

विषय – भूगोल

प्रश्न पत्र कोड - C

प्रश्न	अंकन योजना (उत्तर के प्रत्येक भाग के महत्व सहित)		कुल अंक
अनुभाग – A वस्तुनिष्ठ प्रकार के प्रश्न			
1	B प्रौद्योगिकी	1	1
2	A भारत	1	1
3	C बेसिक इंडस्ट्रीज	1	1
4	**B** बिहार	1	1
5	A उत्तर प्रदेश	1	1
6	D झारिया	1	1
7	D ग्रेटर मुंबई	1	1
8	कोलकाता	1	1
9	**प्रवास** कारक	1	1
10	वाहन और जलती ईंधन की लकड़ी	1	1
अनुभाग- A के कुल अंक			10
अनुभाग - B अति लघु उत्तर प्रकार के प्रश्न			
11	**"रुको और जाओ" नियतिवाद को नव-नियतिवाद के रूप में भी जाना जाता है। यह 1920 में ऑस्ट्रेलियाई भूगोलवेत्ता ग्रिफिथ टेलर द्वारा दिया गया था। उनके अनुसार, वह वातावरण कई तरीकों से संभावनाओं को प्रस्तुत करता है और हर विकल्प के लिए, एक कीमत का भुगतान किया जाना चाहिए।**	2	2
12	**भूगोल एक अद्वितीय अनुशासन है जिसमें भौतिक और सामाजिक विज्ञान दोनों शामिल हैं। यह पृथ्वी की भौतिक विशेषताओं और प्रक्रियाओं (भौतिक विज्ञान) और मानव समाजों, संस्कृतियों और उनकी बातचीत (सामाजिक विज्ञान) का अध्ययन करता है।**	2	2
13	**पुश कारक ऐसी स्थितियां या परिस्थितियां हैं जो लोगों को एक क्षेत्र छोड़ने के लिए मजबूर करती हैं, जनसंख्या वितरण को प्रभावित करती हैं। उदाहरणों में आर्थिक कठिनाई, राजनीतिक अस्थिरता और पर्यावरणीय चुनौतियां शामिल हैं, जो कुछ क्षेत्रों से पलायन को दूर ले जाती हैं।**	2	2
14	**जनसंख्या वितरण को प्रभावित करने वाले भौगोलिक कारकों में जलवायु, स्थलाकृति और पानी की उपलब्धता शामिल है। लोग अनुकूल जलवायु, समतल इलाके और जल संसाधनों तक पहुंच वाले क्षेत्रों में बसते हैं।**	2	2
15	**दूषित पानी के सेवन से जलजनित बीमारियां हो सकती हैं, जिनमें दस्त, हैजा और टाइफाइड शामिल हैं। लंबे समय तक जोखिम पुरानी स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन सकता है,**	2	2

	समुदायों की भलाई और उत्पादकता को प्रभावित कर सकता है।		
	अथवा		
	निवल बोया गया क्षेत्र खेती के तहत कुल क्षेत्र है जिसमें एक से अधिक बार बोया गया क्षेत्र शामिल है। सकल फसली क्षेत्र खेती किया जाने वाला कुल क्षेत्र है, जिसमें कई फसल और अंतर-फसल शामिल हैं।	**2**	
16	**पाइपलाइन परिवहन लागत दक्षता, विश्वसनीयता और पर्यावरणीय लाभ प्रदान करता है। यह ऊर्जा की खपत को कम करता है, प्रदूषण को कम करता है, और न्यूनतम हस्तक्षेप के साथ माल के निरंतर प्रवाह को सुनिश्चित करता है, जिससे यह तरल पदार्थ और गैसों के लिए कुशल हो जाता है।**	**2**	**2**
	अथवा		
	भारत के पूर्वी तट पर चार प्रमुख बंदरगाह हैं: **कोलकाता पोर्ट (पश्चिम बंगाल)** **पारादीप पोर्ट (ओडिशा)**	**1**	
	विशाखापत्तनम बंदरगाह (आंध्र प्रदेश) **चेन्नई पोर्ट (तमिलनाडु)**	**1**	
	अनुभाग- B के कुल अंक		12
अनुभाग - C लघु उत्तरीय प्रकार के प्रश्न			
17	**डेयरी फार्मिंग में दूध उत्पादन के लिए मवेशियों का प्रजनन और पालन शामिल है। डेयरी फार्म, छोटे पैमाने पर संचालन से लेकर बड़े वाणिज्यिक उद्यमों तक, दूध, पनीर और अन्य डेयरी उत्पादों के उत्पादन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। किसान इष्टतम दूध उपज सुनिश्चित करने के लिए डेयरी जानवरों के स्वास्थ्य और पोषण को बनाए रखने पर ध्यान केंद्रित करते हैं। आधुनिक डेयरी फार्मिंग में अक्सर कुशल दूध उत्पादन, प्रसंस्करण और वितरण के लिए उन्नत तकनीकों को शामिल किया जाता है।**	**3**	**3**
18	**भारत में जनसंख्या वृद्धि प्रजनन दर, सामाजिक आर्थिक विकास और सांस्कृतिक प्रथाओं जैसे कारकों के कारण क्षेत्रीय रूप से भिन्न होती है।**	**1**	**3**
	केरल और तमिलनाडु जैसे दक्षिणी राज्यों में उच्च साक्षरता और महिला सशक्तिकरण के कारण कम विकास हुआ है। कम विकास सूचकांक वाले उत्तरी राज्य अक्सर उच्च विकास दर का अनुभव करते हैं।	**1**	
	शहरी क्षेत्रों में आम तौर पर ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में कम वृद्धि होती है। यह क्षेत्रीय भिन्नता पूरे भारत में जनसांख्यिकीय, आर्थिक और सांस्कृतिक कारकों के बीच जटिल बातचीत के परिणामस्वरूप होती है।	**1**	
19	**भारत में शहरों का विकास ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और आर्थिक परिवर्तनों को दर्शाता है। सिंधु घाटी जैसी प्राचीन सभ्यताओं ने शहरी केंद्रों की योजना बनाई थी।**	**1**	**3**
	मध्ययुगीन काल में व्यापार और वाणिज्य केंद्रों का उदय हुआ। औपनिवेशिक शासन ने प्रशासनिक शहरों की स्थापना की।	**1**	
	स्वतंत्रता के बाद, औद्योगिकीकरण के साथ शहरीकरण में तेजी आई। आज, भारतीय शहर	**1**	

	परंपरा और आधुनिकता का मिश्रण प्रदर्शित करते हैं, जो ऐतिहासिक घटनाओं और समकालीन विकास प्रवृत्तियों द्वारा आकार लेते हैं।		
20	गैर-पारंपरिक ऊर्जा स्रोत पारंपरिक जीवाश्म ईंधन के लिए नवीकरणीय विकल्प हैं। ये स्रोत टिकाऊ हैं, पर्यावरणीय प्रभाव को कम करते हैं, और एक स्वच्छ और अधिक विविध ऊर्जा मिश्रण में योगदान करते हैं।	2	3
	उदाहरणों में सौर ऊर्जा शामिल है, जो फोटोवोल्टिक कोशिकाओं या सौर तापीय प्रणालियों के माध्यम से दोहन की जाती है; पवन ऊर्जा, पवन टरबाइन द्वारा उत्पन्न; जल विद्युत, बहते पानी से प्राप्त; भूतापीय ऊर्जा, पृथ्वी की गर्मी से दोहन; और बायोमास ऊर्जा, कार्बनिक पदार्थों से उत्पादित।	1	
21	समुद्री बंदरगाह देशों के बीच माल की आवाजाही को सुविधाजनक बनाकर अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के लिए महत्वपूर्ण प्रवेश द्वार के रूप में काम करते हैं। वे जहाजों के लिए डॉकिंग सुविधाएं प्रदान करते हैं, कार्गो के लोडिंग और अनलोडिंग को सक्षम करते हैं। बंदरगाह वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, जो दुनिया भर में बाजारों, उद्योगों और उपभोक्ताओं को जोड़ते हैं। कुशल समुद्री बंदरगाह व्यापार, आर्थिक विकास और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को बढ़ाते हैं, जिससे वे आधुनिक वैश्विक व्यापार नेटवर्क के महत्वपूर्ण घटक बन जाते हैं।	3	3
	अथवा		
	अटल सुरंग, जिसे आधिकारिक तौर पर अटल सुरंग, रोहतांग नाम दिया गया है, भारतीय राज्य हिमाचल प्रदेश में एक राजमार्ग सुरंग है। यह 10,000 फीट से ऊपर दुनिया की सबसे लंबी राजमार्ग सुरंग है, जो लगभग 9.02 किलोमीटर तक फैली हुई है। 2020 में उद्घाटन किया गया, यह मनाली को लाहौल-स्पीति घाटी से जोड़ता है, जो साल भर पहुंच प्रदान करता है और यात्रा के समय को कम करता है। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के नाम पर बनी यह सुरंग क्षेत्र के विकास के लिए एक महत्वपूर्ण ढांचागत उपलब्धि है।	3	
22	भारत में शहरी अपशिष्ट निपटान को महत्वपूर्ण चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, जिसमें अपर्याप्त अपशिष्ट प्रबंधन बुनियादी ढांचा, स्रोत पर कचरे का अपर्याप्त पृथक्करण और सीमित रीसाइक्लिंग सुविधाएं शामिल हैं। अनुचित निपटान से पर्यावरण प्रदूषण, स्वास्थ्य संबंधी खतरे और लैंडफिल साइटों पर तनाव होता है। तेजी से शहरीकरण समस्या को बढ़ाता है, क्योंकि शहर बढ़ते अपशिष्ट उत्पादन के साथ तालमेल रखने के लिए संघर्ष करते हैं। जागरूकता और सामुदायिक भागीदारी की कमी प्रभावी अपशिष्ट प्रबंधन में बाधा डालती है, जो देश में शहरी अपशिष्ट निपटान के जटिल मुद्दे में योगदान देती है।	3	3
	अथवा		
	वायु प्रदूषण के गंभीर स्वास्थ्य प्रभाव हैं, जिससे श्वसन और हृदय संबंधी समस्याएं होती हैं। पार्टिकुलेट मैटर और सल्फर डाइऑक्साइड और नाइट्रोजन ऑक्साइड जैसे प्रदूषक फेफड़ों के रोग, अस्थमा और श्वसन संक्रमण का कारण बन सकते हैं। लंबे समय तक एक्सपोजर फेफड़ों के कैंसर और हृदय रोगों सहित पुरानी स्थितियों में योगदान देता है। बच्चे, बुजुर्ग और पहले से मौजूद स्थितियों वाले व्यक्ति विशेष रूप से कमजोर हैं। कुल मिलाकर, वायु प्रदूषण सार्वजनिक स्वास्थ्य को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित करता है, स्वास्थ्य देखभाल बोझ बढ़ाता है	3	

	और जीवन की गुणवत्ता को कम करता है।		
अनुभाग- C के कुल अंक			18
अनुभाग - D दीर्घ उत्तर प्रकार के प्रश्न			
23	जनसंख्या परिवर्तन एक विशिष्ट अवधि में जनसंख्या के आकार, संरचना और वितरण में परिवर्तन को संदर्भित करता है। इसके घटकों में जन्म (प्रजनन क्षमता), मृत्यु (मृत्यु दर), और प्रवासशामिल हैं।	1	5
	प्रजनन क्षमता: किसी दिए गए जनसंख्या में प्रति 1,000 लोगों में जन्म की संख्या प्रजनन क्षमता निर्धारित करती है। उच्च प्रजनन क्षमता जनसंख्या वृद्धि में योगदान देती है, जबकि कम प्रजनन क्षमता के परिणामस्वरूप जनसंख्या में गिरावट और उम्र बढ़ने का कारण बन सकता है। मृत्यु दर: मृत्यु दर प्रति 1,000 लोगों की मृत्यु की संख्या है। उच्च मृत्यु दर से जनसंख्या में गिरावट आ सकती है, जबकि कम मृत्यु दर जनसंख्या वृद्धि और जनसांख्यिकीय संक्रमण में योगदान करती है। प्रवासन: प्रवासन में क्षेत्रों में लोगों की आवाजाही शामिल है। आप्रवासन जनसंख्या को बढ़ाता है, जबकि उत्प्रवास इसे कम करता है। प्रवासन पैटर्न जनसंख्या वितरण और जनसांख्यिकीय विशेषताओं को प्रभावित करते हैं।	2	
	प्रभाव: जनसंख्या वृद्धि: मृत्यु दर के सापेक्ष उच्च जन्म दर जनसंख्या वृद्धि में योगदान करती है। जनसांख्यिकीय संक्रमण: उच्च जन्म और मृत्यु दर से कम दर में बदलाव, जनसंख्या आयु संरचनाओं को प्रभावित करता है। जनसंख्या बुढ़ापे: प्रजनन क्षमता में गिरावट और जीवन प्रत्याशा में वृद्धि के परिणामस्वरूप एक वृद्ध आबादी होती है, जो सामाजिक संरचनाओं और संसाधन आवंटन को प्रभावित करती है। जनसंख्या में गिरावट: जब मौतें जन्म से अधिक होती हैं और प्रवासन बहिर्वाह जारी रहता है, तो आबादी में गिरावट आ सकती है, जिससे श्रम बल और आर्थिक उत्पादकता प्रभावित हो सकती है।	2	
	अथवा		
	दुनिया की आबादी का वितरण सामाजिक और सांस्कृतिक कारकों के असंख्य से गहराई से प्रभावित होता है: सांस्कृतिक प्रथाएं: सांस्कृतिक मूल्य और परंपराएं जन्म दर, परिवार के आकार और प्रवासन पैटर्न को प्रभावित करती हैं। उदाहरण के लिए, सांस्कृतिक मानदंड बड़े परिवार होने की वांछनीयता को प्रभावित कर सकते हैं।	1	

	धर्म: धार्मिक विश्वास अक्सर परिवार नियोजन के प्रति दृष्टिकोण को आकार देते हैं और जनसांख्यिकीय व्यवहार को प्रभावित करते हैं। धार्मिक रूप से प्रेरित प्रवासन पैटर्न भी जनसंख्या वितरण में योगदान कर सकते हैं।	1	
	भाषा: भाषा लोगों को एक साथ जोड़ती है और जातीय या सांस्कृतिक समूहों के गठन में एक कारक हो सकती है, जो निपटान पैटर्न को प्रभावित करती है।	1	
	शहरीकरण: ग्रामीण से शहरी जीवन में बदलाव एक सांस्कृतिक प्रवृत्ति है। आर्थिक अवसर, जीवन शैली में बदलाव और शहरी सुविधाएं शहरों में जनसंख्या एकाग्रता में योगदान करती हैं।	1	
	सामाजिक नीतियां: स्वास्थ्य देखभाल, शिक्षा और परिवार नियोजन से संबंधित सरकारी नीतियां जनसांख्यिकीय व्यवहार और सामाजिक आर्थिक विकास को आकार देकर जनसंख्या वितरण को प्रभावित करती हैं।	1	
24	कई कारक विश्व स्तर पर उद्योगों के स्थान को प्रभावित करते हैं। ये कारक अक्सर परस्पर जुड़े होते हैं और औद्योगिक गतिविधियों के स्थानिक वितरण में योगदान करते हैं। कुछ प्रमुख विचारों में शामिल हैं: कच्चा माल: कच्चे माल से निकटता एक महत्वपूर्ण कारक है। उद्योग परिवहन लागत को कम करने और स्थिर आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए कच्चे माल के स्रोत के पास स्थित होते हैं। श्रम उपलब्धता: एक कुशल और सस्ती श्रम शक्ति तक पहुंच आवश्यक है। उद्योग अक्सर कुशल कार्यबल वाले स्थानों का चयन करते हैं या जहां श्रम लागत प्रतिस्पर्धी होती है।	1	
	परिवहन बुनियादी ढांचा: सड़कों, बंदरगाहों और रेलवे सहित कुशल परिवहन नेटवर्क, औद्योगिक स्थान को प्रभावित करते हैं। बाजारों तक पहुंच और माल परिवहन की क्षमता आसानी से स्थान निर्णयों को प्रभावित करती है। ऊर्जा उपलब्धता: उद्योग, विशेष रूप से ऊर्जा-गहन, विश्वसनीय और सस्ती ऊर्जा स्रोतों वाले क्षेत्रों की ओर आकर्षित होते हैं। बिजली संयंत्रों या ऊर्जा भंडार से निकटता एक महत्वपूर्ण विचार है।	1	
	बाजार पहुंच: उपभोक्ता वस्तुओं का उत्पादन करने वाले उद्योगों के लिए बाजारों से निकटता महत्वपूर्ण है। उपभोक्ताओं तक पहुंच वितरण लागत और समय-से-बाजार को कम करती है। सरकारी नीतियां: सरकारी प्रोत्साहन, कर ब्रेक और नियामक नीतियां महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उद्योग अनुकूल नीतियों, सब्सिडी, या व्यापार के अनुकूल वातावरण वाले स्थानों का पक्ष ले सकते हैं।	1	
	बुनियादी ढांचा: परिवहन के अलावा, जल आपूर्ति, दूरसंचार और अपशिष्ट निपटान जैसे सामान्य बुनियादी ढांचे औद्योगिक स्थान निर्णयों को प्रभावित करते हैं। जलवायु और पर्यावरणीय स्थितियां: कुछ उद्योग जलवायु परिस्थितियों के प्रति संवेदनशील	1	

	हैं। उदाहरण के लिए, कुछ विनिर्माण प्रक्रियाओं को विशिष्ट पर्यावरणीय परिस्थितियों की आवश्यकता हो सकती है या जलवायु से संबंधित कारकों से प्रभावित हो सकती है।		
	राजनीतिक स्थिरता: राजनीतिक स्थिरता और एक अनुकूल कारोबारी माहौल उद्योगों के लिए आकर्षक हैं। स्थिर राजनीतिक स्थितियां व्यवसायों के लिए जोखिम और अनिश्चितताओं को कम करती हैं। तकनीकी प्रगति: उन्नत प्रौद्योगिकियों और अनुसंधान संस्थानों की उपलब्धता उन उद्योगों को आकर्षित कर सकती है जो नवाचार और प्रौद्योगिकी पर भरोसा करते हैं।	1	
	अथवा		
	मानव विकास सूचकांक (एचडीआई): एचडीआई एक समग्र आंकड़ा है जिसका उपयोग मानव विकास के तीन बुनियादी आयामों में देश की औसत उपलब्धियों को मापने के लिए किया जाता है: एक लंबा और स्वस्थ जीवन (स्वास्थ्य), ज्ञान (शिक्षा), और एक सभ्य जीवन स्तर (जीवन स्तर)। यह पारंपरिक आर्थिक संकेतकों से परे कल्याण का एक व्यापक मूल्यांकन प्रदान करता है। .	1	
	मानव विकास के चार स्तंभ: स्वास्थ्य: यह स्तंभ जन्म के समय जीवन प्रत्याशा पर विचार करता है। लंबी जीवन प्रत्याशा बेहतर स्वास्थ्य परिणामों और स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच को दर्शाती है, जो मानव विकास के उच्च स्तर का संकेत देती है।	1	
	शिक्षा: शिक्षा का मूल्यांकन दो संकेतकों के माध्यम से किया जाता है: वयस्कों के लिए स्कूली शिक्षा के औसत वर्ष और स्कूल में प्रवेश करने वाले बच्चों के लिए स्कूली शिक्षा के अपेक्षित वर्ष। शिक्षा व्यक्तिगत सशक्तिकरण और सामाजिक प्रगति में एक महत्वपूर्ण कारक है।	1	
	जीवन स्तर: यह स्तंभ क्रय शक्ति समानता के लिए समायोजित प्रति व्यक्ति आय पर केंद्रित है। यह मानव विकास के आर्थिक आयाम को मापता है, जो एक सभ्य जीवन स्तर के लिए वस्तुओं और सेवाओं तक पहुंचने के लिए व्यक्तियों की क्षमता को दर्शाता है।	1	
	लिंग समानता: जबकि आधिकारिक तौर पर एचडीआई का हिस्सा नहीं है, लिंग से संबंधित विकास सूचकांक (जीडीआई) और लिंग असमानता सूचकांक (जीआईआई) को अक्सर पूरक संकेतक माना जाता है, जो स्वास्थ्य, शिक्षा और जीवन स्तर के संदर्भ में पुरुषों और महिलाओं के बीच असमानताओं को उजागर करता है। समग्र मानव विकास के लिए लैंगिक समानता महत्वपूर्ण है।	1	
25	हाइडल पावर, भारत के ऊर्जा पोर्टफोलियो का एक महत्वपूर्ण घटक, बिजली उत्पन्न करने के लिए बहते पानी की संभावित ऊर्जा का उपयोग करता है। भारत की विविध स्थलाकृति और पर्याप्त जल संसाधन इसे जल विद्युत विकास के लिए अनुकूल बनाते हैं। देश ने रणनीतिक रूप से कई जल विद्युत परियोजनाओं को लागू किया है, जिसमें भाखड़ा-नांगल जैसे बड़े बांधों और विभिन्न नदी घाटियों में छोटे पैमाने पर परियोजनाओं का मिश्रण है।	2	5

	हाइडल पावर भारत के बिजली उत्पादन में महत्वपूर्ण योगदान देता है, जो एक स्वच्छ और नवीकरणीय ऊर्जा विकल्प प्रदान करता है। हिमालय क्षेत्र, अपनी तेजी से बहने वाली नदियों के साथ, बड़े जल विद्युत प्रतिष्ठानों के लिए एक केंद्र बिंदु रहा है। टिहरी और नाथपा झाकड़ी जैसी परियोजनाएं भारत के बिजली बुनियादी ढांचे के महत्वपूर्ण घटक बन गई हैं।	1	
	इसके लाभों के बावजूद, जल विद्युत चुनौतियों का सामना करता है। आवास व्यवधान और स्थानीय समुदायों के विस्थापन सहित पर्यावरणीय प्रभाव से संबंधित चिंताएं, सतत विकास के साथ ऊर्जा की जरूरतों को संतुलित करने के महत्व को उजागर करती हैं। पानी की उपलब्धता पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव विचारशील परियोजना योजना की आवश्यकता पर जोर देते हैं।	1	
	हाल के वर्षों में, नवीकरणीय ऊर्जा पर बढ़ते जोर ने जल विद्युत में रुचि को बढ़ावा दिया है। प्रौद्योगिकी में प्रगति और पर्यावरणीय प्रभावों को कम करने पर ध्यान केंद्रित करने से अधिक टिकाऊ जल विद्युत परियोजनाओं का विकास हो रहा है। जैसा कि भारत अपने ऊर्जा मिश्रण में विविधता लाना जारी रखता है, पनबिजली एक अधिक टिकाऊ और लचीला बिजली क्षेत्र की दिशा में राष्ट्र की यात्रा में एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी बनी हुई है।	1	
	अथवा		
	वाटरशेड प्रबंधन एक वाटरशेड के भीतर भूमि, पानी और संबंधित संसाधनों के प्रबंधन के लिए एक व्यापक दृष्टिकोण है - एक ऐसा क्षेत्र जहां सभी पानी एक सामान्य बिंदु तक बहते हैं। इसमें पानी की गुणवत्ता बढ़ाने, मिट्टी के संरक्षण और प्राकृतिक संसाधनों का स्थायी प्रबंधन करने के लिए प्रथाओं की योजना बनाना और उन्हें लागू करना शामिल है।	2	
	वाटरशेड प्रबंधन भूमि और पानी के परस्पर संबंध पर विचार करता है, जिसमें पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखने के लिए वनीकरण, मृदा संरक्षण और जल संचयन जैसे उपायों को शामिल किया गया है। यह मिट्टी के कटाव, पानी की कमी और पानी की गुणवत्ता में गिरावट जैसे मुद्दों को संबोधित करता है।	1	
	वाटरशेड प्रबंधन सतत विकास में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह जल संसाधनों के कुशल उपयोग को सुनिश्चित करता है, बाढ़ और सूखे के प्रभाव को कम करता है, और कृषि उत्पादकता को बढ़ाता है। संरक्षण और टिकाऊ प्रथाओं को बढ़ावा देकर, यह पारिस्थितिक तंत्र, जैव विविधता और आजीविका की रक्षा करता है। इसके अतिरिक्त, यह समुदायों में लचीलापन का निर्माण करके जलवायु परिवर्तन अनुकूलन में योगदान देता है।	1	
	संक्षेप में, वाटरशेड प्रबंधन पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ावा देता है, स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं का समर्थन करता है, और मानव कल्याण के साथ पारिस्थितिक स्वास्थ्य को सुसंगत करके सतत विकास के सिद्धांतों के साथ संरेखित करता है।	1	
अनुभाग- D के कुल अंक		15	
अनुभाग – E मानचित्र कार्य			
26	तिरुअनंतपुरम हवाई अड्डा	1	5
	जामनगर तेल रिफाइनरी	1	
	दुर्गापुर इस्पात संयंत्र	1	
	बोकारो कोयला क्षेत्र	1	

	कोच्चि बंदरगाह	1	
कुल अंक		60	